बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ

पूरा नाम	बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ
जन्म	2 अप्रॅल, 1902
जन्म भूमि	केसुर गाँव, लाहौर, पाकिस्तान
मृत्यु	25 अप्रॅल, 1968
मृत्यु स्थान	हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
अभिभावक	अली बख़्श ख़ाँ

Scanned with CamScanner

कर्म भूमि	भारत
कर्म-क्षेत्र	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक
विषय	संगीत
पुरस्कार-उपाधि	पद्म भूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार
नागरिकता	भारतीय
अन्य जानकारी	दिल को छू जाने वाली आवाज़ के मालिक उस्ताद बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ ने नवेली शैली के ज़रिए ठुमरी को नई आब और ताब दी।

उस्ताद बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ (अंग्रेज़ी: *Bade Ghulam Ali Khan*, जन्म: 2 अप्रॅल, 1902 - मृत्यु: 25 अप्रैल, 1968) की गणना भारत के महानतम गायकों व संगीतज्ञों में की जाती है। वे विलक्षण मधुर स्वर के स्वामी थे। इनके गायन को सुनकर श्रोता अपनी सुध-बुध खोकर कुछ समय के लिए स्वयं को खो देते थे। भारत के कोने-कोने से संगीत के पारखी लोग ख़ाँ साहब को गायन के लिए न्यौता भेजते थे। क्या राजघराने क्या मामली स्कल के विद्यार्थी, खाँ साहब की

Scanned with CamScanner

मखमली आवाज़ सभी को मंत्रमुग्ध कर देती थी।[1] दिल को छू जाने वाली आवाज़ के मालिक उस्ताद बड़े ग़ुलाम अली ख़ाँ ने नवेली शैली के ज़रिए ठुमरी को नई आब और ताब दी। जानकारों के मुताबिक उस्ताद ने अपने प्रयोगधर्मी संगीत की बदौलत ठुमरी को जानी-पहचानी शैली की सीमाओं से बाहर निकाला।[2]

Scanned with CamScanner